

of the prescribed ceiling of Rs. 38,500. There has been no such case so far in 1977-78.

### Cases of Misappropriation in DDA

4427 SHRI MAHI LAL Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state

(a) the number of embezzlement and misappropriation cases which occurred in the Delhi Development Authority during the last five years, and

(b) the details and the persons and the amount involved in each case separately?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) The Delhi Development Authority have reported three cases

(b) The details are as under:—

(i) Shri Bishambar Dayal, UDC, while working as rent collector in Najafgarh (JJ) colony during the year 1976 misappropriated a sum of Rs 2,435/- collected as rent on behalf of the Department. The Metropolitan Magistrate, Delhi sentenced him to rigorous imprisonment of nine months and a fine of Rs 500/- In view of this judgement, he was dismissed on 14th December, 1976.

(ii) Shri S. N Swami, Cashier, misappropriated Rs. 330/- deposited by three allottees of Wazirpur towards water charges. He was charge-sheeted on 3rd December, 1973. Later, he tendered his resignation which was accepted on 15th February, 1977

(iii) Shri K. D Rana, U.D.C., misappropriated Rs 300/-. He has been suspended on 11th January, 1978. The case is under investigation by the policy authorities.

Retrenchment of Muster Roll Workers from Indian Schools of Mines, Dhanbad

4428. SHRI A. K. ROY: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state

(a) whether there has been large scale retrenchment of muster roll workers from Indian School of Mines, Dhanbad, and if so, the number of such workers and reasons therefor,

(b) whether there was a Dharma against this retrenchment,

(c) whether it is a fact that Harijan workers have also been victimised,

(d) whether it is a fact that in the same period new workmen have been recruited against law, and

(e) whether Government propose to probe into these irregularities and take necessary steps against the persons responsible for all these irregularities?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR PRATAP CHANDRA CHUNDER) (a) to (e). Information is being collected from the Indian School of Mines, Dhanbad and will be placed on the Table of the House.

राजभाषा अधिनियम, 1963 के अधीन नियमों की धारा 3(3) की क्या स्थिति

4429. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या निर्वाज और अबास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मन्त्रालय ने राजभाषा अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत बनाये गए नियमों की धारा 3(3) पूरी तरह से कार्यान्वित की जा रही है;

(ख) यदि हा, तो वर्ष 1977 की अन्तिम छमाही के दौरान कुल कितने सामान्य भादेश, परिपत्र, नोटिस टेडर परमिट जारी किए गए और उनमें अंग्रेजी के साथ हिन्दी में जारी किए गए भादेशों आदि की संख्या क्या थी, और

(ग) यदि उपर्युक्त धारा का पालन पूरी तरह से नहीं किया जा रहा है, तो उसके क्या कारण हैं और इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

**निर्माण और आवास तथा पूति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बल्ल)** :

(क) जी, हा ।

(ख) 165 ।

इन सभी को अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जारी किया गया था ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

**निर्माण और आवास मंत्रालय द्वारा निकाले जाने वाले प्रकाशन**

4430 श्री नवाब सिंह चौहान क्या निर्माण और आवास तथा पूति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उनके मंत्रालय/विभाग ने 1977 के दौरान कौन कौन से प्रकाशन और पत्र-पत्रिकाएँ निकाली,

(ख) उपर्युक्त प्रकाशनों और पत्र-पत्रिकाओं में से कितने प्रकाशन हिन्दी में निकाले गए और जो हिन्दी में नहीं निकाले गए उसके क्या कारण हैं ,

(ग) क्या ऐसे सभी प्रकाशनों एवं पत्र-पत्रिकाओं को हिन्दी में निकालने का विचार है जो अभी अंग्रेजी से निकाले जा रहे हैं; और

(घ) यदि हा, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या कदम उठाये गए हैं ? ।

**निर्माण और आवास तथा पूति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बल्ल)** : (क) निर्माण और आवास मंत्रालय ने वर्ष 1977 के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन निकाले —

(I) हैबोटाट इण्डिया (सूचना पत्र) , त्रैमासिक प्रकाशन)

(II) जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974—पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए एक रचनात्मक कदम (चौपन्ना)

(III) ई० एस० सी० ए० पी० के लिए समुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय आवास केन्द्र (पुस्तिका)

(ख) यद्यपि सूचना-पत्र 'हैबोटाट इण्डिया' में लेख अंग्रेजी तथा हिन्दी में थे किन्तु यह एक नितान्त द्विभाषिक प्रकाशन नहीं था तथा, अब यह प्रकाशन बन्द कर दिया गया है ।

(ग) और (घ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

**बिहार में सम्बद्ध कालेजों के लिए विकास निधि**

4431. श्री युवराज : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :